

न्यूज़ डुडे

वैश्विक नवाचार सूचकांक (Global Innovation Index: GII) 2021 में दो स्थान के सुधार के साथ भारत 46वें स्थान पर आ गया है।

यह सूचकांक विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (World Intellectual Property Organisation: WIPO), कॉर्नेल विश्वविद्यालय और इनसीड (INSEAD) द्वारा सह-प्रकाशित है। इस सूचकांक में विश्व के 131 देशों तथा अर्थव्यवस्थाओं की नवाचार क्षमता एवं निष्पादन को वार्षिक रैंकिंग प्रदान की जाती है।

- इसके 80+ संकेतक राजनीतिक परिवेश, शिक्षा, बुनियादी ढांचे और व्यापार परिष्करण सहित नवाचार के व्यापक पहलुओं का विश्लेषण करते हैं।
- वैश्विक नवाचार सूचकांक (GII) 2021 का विषय 'ट्रैकिंग इनोवेशन थ्रू द कोविड-19 क्राइसिस' है।

मुख्य बिंदु

- स्विट्जरलैंड इस सूची में शीर्ष पर है। इसके उपरांत स्वीडन, अमेरिका और ब्रिटेन का स्थान है।
- भारत ने विशाल बौद्धिक संपदा, जीवंत स्टार्टअप पारितंत्र तथा सार्वजनिक एवं निजी अनुसंधान संगठनों द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों के सहयोग से अपनी रैंकिंग में वर्ष 2015 में 81 से वर्ष 2021 में 46वें स्थान तक सुधार किया है।
- भारत निम्न मध्यम आय वर्ग की 34 अर्थव्यवस्थाओं में दूसरे स्थान पर तथा मध्य और दक्षिणी एशिया की 10 अर्थव्यवस्थाओं में प्रथम स्थान पर है।

भारत नवाचार सूचकांक-13 (India Innovation Index-13): इसे नीति आयोग द्वारा इंस्टिट्यूट फॉर कॉम्पिटिटिवनेस के सहयोग से जारी किया गया है।

- भारत नवाचार सूचकांक का उद्देश्य भारत के नवाचार परिवेश के निरंतर मूल्यांकन हेतु एक व्यापक तंत्र का निर्माण करना, राज्यों तथा संघ राज्यक्षेत्रों को उनके प्राप्तांकों के आधार पर रैंकिंग प्रदान करना, अवसरों एवं चुनौतियों को चिन्हित करना तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने हेतु सरकारी नीतियों को तैयार करने में सहायता करना है।

भारत नवाचार सूचकांक नवाचार आगत को 'सक्षमकर्ता' (Enablers) तथा इनोवेशन निर्गत का निष्पादन (Performance) के रूप में मापन करता है।

- सक्षमकारी संकेतक: मानव पूंजी, निवेश, ज्ञान कार्यकर्ता, व्यावसायिक परिवेश, सुरक्षा और कानूनी व्यवस्था।
- निष्पादन संकेतक: ज्ञान सृजन व ज्ञान प्रसार।



स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राज्य खाद्य सुरक्षा सूचकांक (State Food Safety Index: SFSI) का तीसरा संस्करण जारी किया

यह सूचकांक भारतीय खाद्य संरक्षण एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य नागरिकों के लिए सुरक्षित भोजन सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करने हेतु राज्यों को प्रेरित करना है।

यह सूचकांक खाद्य सुरक्षा के पांच मानकों के आधार पर राज्यों के प्रदर्शन का मापन करता है:

- मानव संसाधन जैसे खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की संख्या और संस्थागत डेटा (20% भारांश);
- अनुपालन (30%);
- खाद्य परीक्षण- अवसंरचना और निगरानी (20%);
- विनियामक कर्मचारियों और प्रयोगशाला कर्मियों का प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण (10%) तथा
- उपभोक्ता सशक्तीकरण (20%)।

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए FSSAI द्वारा आरंभ की गई पहलें

- क्लीन स्ट्रीट फूड हब कार्यक्रम।
- खाद्य सुरक्षा अनुपालन प्रणाली (Food Safety Compliance System: FOSCOS) नामक डिजिटल प्लेटफॉर्म।
- स्कूली बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करने हेतु खाद्य सुरक्षा और मानक (स्कूली बच्चों के लिए सुरक्षित खाद्य और स्वास्थ्यकर आहार) विनियम, 2019।
- स्कूल परिसर में वसा, नमक और चीनी से युक्त खाद्य पदार्थों की बिक्री एवं विज्ञापन की अनुमति प्रदान नहीं करना।
- जनवरी 2021 तक सभी वसा और तेलों में औद्योगिक ट्रांस फैटी एसिड (TFA) को अधिकतम 3% और जनवरी 2022 तक अधिकतम 2% तक सीमित करना।
- प्री-पैकेज्ड खाद्य पदार्थों की लेबलिंग संबंधी आवश्यकताओं को निर्धारित करने हेतु खाद्य सुरक्षा और मानक (लेबलिंग और प्रदर्शन) विनियम, 2020।



SFSI सूचकांक की 3 श्रेणियों के अंतर्गत शीर्ष राज्य/संघ राज्यक्षेत्र

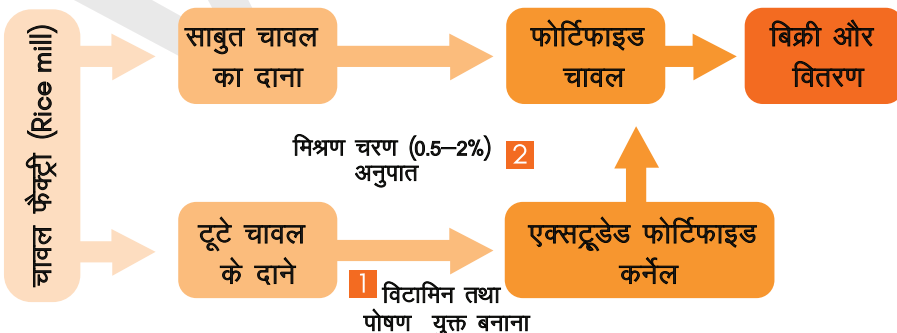
- बड़े राज्य: गुजरात
- छोटे राज्य: गोवा
- संघ राज्यक्षेत्र: जम्मू और कश्मीर

सरकार द्वारा जिला स्तरीय विद्युत समितियों के गठन के आदेश जारी किए गए

- विद्युत मंत्रालय (MoP) द्वारा जिला स्तरीय समितियाँ (District & Level Committees: DLCs) गठित की जाएंगी, जो केंद्र सरकार की सभी विद्युत संबंधी योजनाओं का पर्यवेक्षण करेंगी।
 - ध्यातव्य है कि समिति में जिले के वरिष्ठ सांसद अध्यक्ष के रूप में, जिले के अन्य सांसद सह-अध्यक्ष के रूप में तथा जिला कलेक्टर सदस्य सचिव के रूप में सम्मिलित होंगे।
 - इसके अंतर्गत सभी राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को केंद्रीय विद्युत मंत्रालय को सूचित करते हुए जिला विद्युत समितियों की स्थापना को अधिसूचित और सुनिश्चित करना है।
- यह देश में विद्युत क्षेत्र के सुधारों और उनके कार्यान्वयन की प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी एवं निगरानी प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है।
- यह 24x7 विश्वसनीय, टिकाऊ और वहनीय विद्युत सुनिश्चित करने के सरकार के प्रयासों की पृष्ठभूमि में शामिल है।
- विद्युत क्षेत्र में सरकार द्वारा की गई पहलें
 - दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (DDUGJY),
 - एकीकृत विद्युत विकास योजना (Integrated Power Development Scheme: IPDS),
 - प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (SAUBHAGYA/सौभाग्य) आदि।
- हाल ही में, मंत्रिमंडल ने ₹3.03 ट्रिलियन की 'पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना' (Revamped Distribution Sector Scheme) को स्वीकृति प्रदान की है, जो एक सुधार-आधारित और परिणाम संबद्ध योजना है।
 - इसका उद्देश्य निजी क्षेत्र की विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स/DISCOMs) को छोड़कर सभी डिस्कॉम्स/विद्युत विभागों की परिचालन क्षमता और वित्तीय स्थिरता में सुधार करना है। डिस्कॉम्स को परिणाम संबद्ध वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

केंद्र सरकार द्वारा फोर्टिफाइड चावल के लिए एक समान विनिर्देशों की घोषणा की गई है

- उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग (DFPD) ने ग्रेड ए के फोर्टिफाइड राइस कर्नेल्स (FRK) और सामान्य चावल के लिए एक समान विनिर्देश जारी किए हैं। सामान्य चावल के स्टॉक के साथ 1 प्रतिशत FRK मिलाया जाना चाहिए।
 - वर्ष 2024 तक स्कूलों में मध्याह्न भोजन और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत फोर्टिफाइड चावल वितरित किया जाना है।
- महत्व:
 - महिलाओं और बच्चों में कुपोषण के उच्च स्तर को नियंत्रित करना।
 - निर्धनों के लिए पूरक आहार प्रदान करना।
- बायो-फोर्टिफिकेशन को भोजन में आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों (विटामिन और खनिज) की मात्रा में सोद्देश्य वृद्धि करने के अभ्यास के रूप में परिभाषित किया जाता है। इससे खाद्य आपूर्ति की पोषण गुणवत्ता में सुधार संभव हो सकेगा तथा स्वास्थ्य के लिए न्यूनतम जोखिम के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया जा सकेगा।
 - बायो-फोर्टिफिकेशन पारंपरिक रूप से उन खाद्य फसलों के उत्पादन की प्रक्रिया है, जो विटामिन A, जिंक तथा आयरन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों से युक्त होती हैं।
- भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) के मानदंडों के अनुसार, 1 किलो फोर्टिफाइड चावल में आयरन (28 माइक्रोग्राम-42.5 माइक्रोग्राम), फोलिक एसिड (75-125 माइक्रोग्राम) और विटामिन B-12 (0.75-1.25 माइक्रोग्राम) होना चाहिए।
 - इसके अतिरिक्त, चावल में जिंक, विटामिन-A, विटामिन-B1, विटामिन-B2, विटामिन B3 और विटामिन B-6 जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व भी पाए जा सकते हैं।








टूटे चावल के दानों को महत्व देना तथा पोषण मूल्य में वृद्धि करना

एक रिपोर्ट के अनुसार सीमापारीय जलवायु जोखिम (Transboundary Climate Risks:TCR) प्रत्येक देश में कृषि उत्पादन को प्रभावित करते हैं

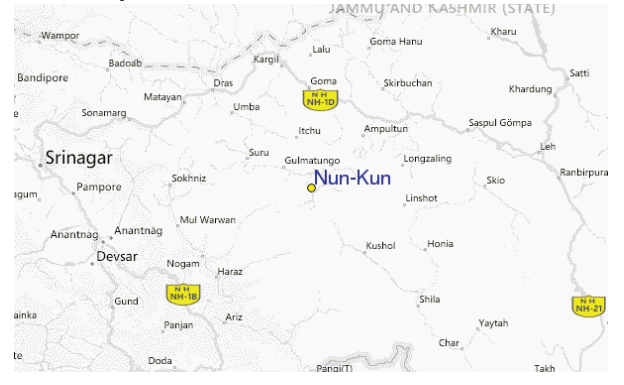
- स्टॉकहोम एनवायरनमेंट इंस्टीट्यूट (SEI) द्वारा 'जलवायु परिवर्तन, व्यापार और वैश्विक खाद्य सुरक्षा' (Climate change, trade, and global food security) शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की गई है।
 - इसने छह किसम के प्रमुख कृषि उत्पादों यथा- मक्का, चावल, गेहूँ, सोया, गन्ना और कॉफी में व्यापार करने के लिए सीमापारीय जलवायु जोखिम का एक व्यवस्थित, मात्रात्मक मूल्यांकन प्रदान किया है।
 - TCR, ऐसे जलवायु जोखिम होते हैं, जिनका प्रभाव राष्ट्रीय सीमाओं के पार होता है। ये जैव-भौतिक संसाधनों, वित्तीय प्रवाह, मानव गतिशीलता, बुनियादी ढांचे, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं व्यापार को मुख्य रूप से प्रभावित करते हैं।
 - कृषि-क्षेत्र, जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में से एक है।
- मुख्य निष्कर्ष
 - TCR वैश्विक खाद्य सुरक्षा के समक्ष एक महत्वपूर्ण तथा लगातार बढ़ता हुआ संकट है। किन्तु, अब तक इसने व्यापक रूप से वैश्विक समुदाय का ध्यान आकर्षित नहीं किया है।
 - जलवायु परिवर्तन के प्रभावों में तीव्रता के कारण व्यापार जोखिम प्रबंधन के पारंपरिक दृष्टिकोण, जैसे- प्रतिस्थापन और विविधीकरण अप्रभावी हो गए हैं।
 - सभी देशों, किन्तु विशेष रूप से निम्न आय वाले और आयात पर निर्भर देशों में विकास के सभी स्तरों पर खाद्य सुरक्षा के समक्ष भौतिक जोखिम उत्पन्न हो रहा है।
- अनुशंसाएं:
 - इन जोखिमों के आकलन, प्रबंधन तथा न्यूनीकरण हेतु एक सहकारी बहुपक्षीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है।
 - एक अधिक प्रत्यास्थ विश्व की स्थापना हेतु सार्वजनिक और निजी अनुकूलन रणनीतियों को बेहतर रीति से संरेखित करने की आवश्यकता है।

अन्य सुर्खियाँ

 <p>एक पहल अभियान</p>	<ul style="list-style-type: none">○ यह घर-घर तक न्याय वितरण के लिए एक विशेष अखिल भारतीय अभियान है। इसे विधि और न्याय मंत्रालय द्वारा आरंभ किया गया है।○ यह अभियान (17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक) टेली-लॉ के तहत बड़े पैमाने पर पंजीकरण को प्रोत्साहित करेगा।<ul style="list-style-type: none">➢ टेली-लॉ- सामान्य सेवा केंद्रों के माध्यम से पैनल अधिवक्ताओं द्वारा लाभार्थियों को मुकदमेबाजी पूर्व सलाह/परामर्श।○ कानूनी जागरूकता सृजित करने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (National Legal Services Authority: NALSA) द्वारा एक्सेस टू जस्टिस कार्यक्रम पर फिल्मों और वृत्तचित्रों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही, अन्य गतिविधियों में आम नागरिकों को मुकदमेबाजी पूर्व/ कानूनी सलाह देने के लिए लीगल एड क्लिनिकों का आयोजन किया जाएगा।
 <p>प्लैनेट नाइन (Planet Nine)</p>	<ul style="list-style-type: none">○ इसे प्लैनेट एक्स के नाम से भी जाना जाता है। यह प्लूटो से बहुत दूर एक दीर्घ वृत्ताकार कक्षा में एक विशाल काल्पनिक पिण्ड है।○ ऐसा माना जाता है कि प्लैनेट नाइन का द्रव्यमान, 6.2 (+2.2/-1.3) भू द्रव्यमान है।○ ज्ञातव्य है कि एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल में वर्ष 2018 में प्रकाशित एक अध्ययन में प्लैनेट नाइन के अस्तित्व के नए साक्ष्य का उल्लेख किया गया था।<ul style="list-style-type: none">➢ यह उल्लेख किया गया था कि वर्ष 2015 BP519 नामक एक ट्रांस-नेपच्यूनियन पिण्ड में एक असामान्य प्रक्षेपवक्र था, क्योंकि यह प्लैनेट नाइन के सुदृढ़ गुरुत्वाकर्षण से प्रभावित था।
 <p>समुद्री कर्कटी (Sea Cucumber)</p>	<ul style="list-style-type: none">○ समुद्री कर्कटी नरम शरीर वाले व अकशेरुकी, एकाइनोडर्म नामक एक बड़े प्राणी समूह का हिस्सा होते हैं। इस समूह में स्टारफिश और समुद्री-अर्चिन भी शामिल हैं।<ul style="list-style-type: none">➢ ये उष्णकटिबंधीय और शीतोष्ण दोनों महासागरों में पाए जाते हैं, जहां ये अंतराज्वारीय क्षेत्र के साथ-साथ गहरे समुद्री जल में भी अधिवासित होते हैं।➢ समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं।➢ भारत में, इसे वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची 1 के तहत सूचीबद्ध एक संकटापन्न (एंडेंजर्ड) प्रजाति के रूप में माना जाता है।
 <p>पर्युषण और दस लक्षण (Paryushan and Daslakshan)</p>	<ul style="list-style-type: none">○ अमेरिकी राष्ट्रपति ने जैन समुदाय को पर्युषण और दस लक्षण पर्व की शुभकामनाएं दी हैं।<ul style="list-style-type: none">➢ ये आत्मा के गुणों और सार को मनाने के त्योंहार हैं।➢ इन्हें अग्रलिखित दस प्रमुख गुणों के कठोर पालन द्वारा चिह्नित किया जाता है: क्षमा, दान, सादगी, संतोष, सत्यता, आत्म-संयम, उपवास, वैराग्य, विनम्रता और निरंतरता।○ पर्युषण: इसे श्वेतांबर जैनों द्वारा मनाया जाता है। इसमें जैन उपासकों के लिए उपवास और ध्यान की वार्षिक अवधि 8-10 दिनों की होती है।○ दस लक्षण: इसे दिगंबर जैनों द्वारा मनाया जाता है। यह एक 10 दिवसीय त्योंहार है, जो पर्युषण के उपरांत होता है।
 <p>सुर्खियों में रहे युद्ध अभ्यास</p>	<p>समुद्र शक्ति:</p> <ul style="list-style-type: none">○ भारत और इंडोनेशिया की नौसेना ने द्विपक्षीय अभ्यास 'समुद्र शक्ति' के तीसरे संस्करण में भाग लिया। <p>शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शांतिपूर्ण मिशन अभ्यास 2021:</p> <ul style="list-style-type: none">○ SCO शांतिपूर्ण मिशन अभ्यास का छठा संस्करण दक्षिण पश्चिम रूस के ऑरिनबर्ग क्षेत्र में आरंभ हुआ।○ चीन, रूस, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान, भारत, पाकिस्तान और उज्बेकिस्तान सहित SCO के सदस्य देशों ने इसमें भाग लिया।

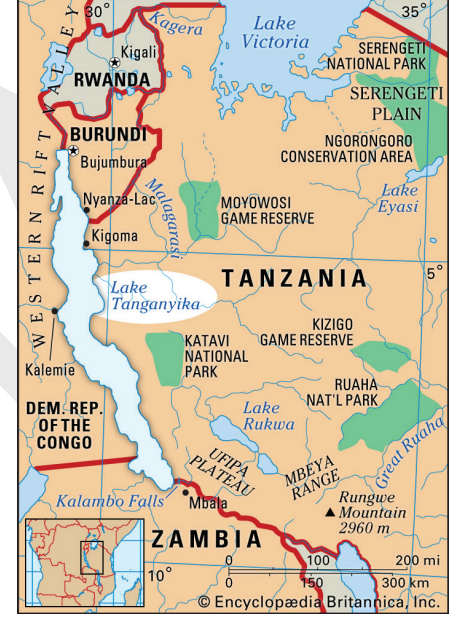
○ **माउंट कुन पीक, नुन-कुन माउंटेन मैसिफ (सुरु घाटी, कारगिल)**

- हाल ही में, रक्षा मंत्री ने माउंटेन कुन अभियान को पूर्ण करने पर **राष्ट्रीय पर्वतारोहण और संबद्ध खेल संस्थान (National Institute of Mountaineering and Allied Sports: NIMAS)** की टीम को झंडी दिखाकर रवाना किया।
- माउंट कुन पीक, नुन-कुन माउंटेन मैसिफ में स्थित है, जो **जास्कर रेंज का सर्वाधिक ऊँचा शिखर है।** इसमें माउंटेन नुन (7,135 मीटर) और कुन (7,077 मीटर) हैं।
- इस पर पहली बार वर्ष 1913 में इतालवी पर्वतारोहियों **मारियो पियासेन्जा और बोरेली एड गैस्पर्ड** द्वारा रोहण किया गया था।



○ **टांगानिका झील (पूर्वी अफ्रीका)**

- हाल ही में, टंगानिका झील के बढ़ते जल-स्तर के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन की वजह से, बुरुंडी में 1 लाख से अधिक लोग अपने घरों को छोड़ने को विवश हुए थे।
- **रूस की बैकाल झील** के उपरांत टंगानिका झील **मीठे जल की दूसरी सबसे बड़ी झील है।**
- **बुरुंडी, तंजानिया, जाम्बिया और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (Democratic Republic of Congo: DRC)** द्वारा इसका उपयोग किया जाता है। यह तंजानिया और DRC के बीच सीमा का निर्माण करती है।
- **लुकुगा नदी** इसकी प्रमुख बहिर्वाह नदी है, जो कांगो नदी तंत्र में प्रवाहित होती है। रुज़िज़ी नदी, कलाम्बो नदी और मालागारसी (तंजानिया की दूसरी सबसे बड़ी नदी) नदी सहित प्रमुख अंतर्वाह नदी है।



○ **कैनरी द्वीप**

- हाल ही में, कैनरी द्वीप के ला पाल्मा द्वीप पर **कंब्रे विरेजा ज्वालामुखी से ज्वालामुखी विस्फोट हुआ।**
- ❖ मुख्य भूमि अफ्रीका के निकट अटलांटिक महासागर में स्थित, **कैनरी द्वीप सात द्वीपों का एक समूह है।** यह स्पेन के स्वायत्त समुदाय के रूप में निम्नलिखित दो समूहों में विभाजित है:
 - ❖ **पश्चिमी समूह:** टेनेरीफ, ग्रैन कैनरिया, ला पाल्मा, ला गोमेरा और फेरो द्वीप; तथा
 - ❖ **पूर्वी समूह:** लैंजारोट, फुएरटेवेंदुरा द्वीप और कैनरी रिज (छह टापुओं वाला एक एकल पनडुब्बी पठार)।



8468022022, 9019066066

www.visionias.in

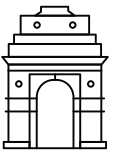


/c/VisionIASdelhi

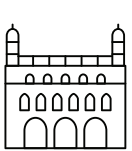
/Vision_IAS

/visionias_upsc

/VisionIAS_UPSC



दिल्ली



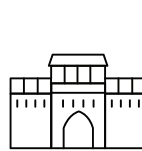
लखनऊ



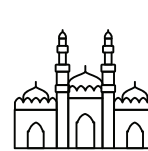
जयपुर



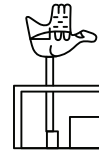
हैदराबाद



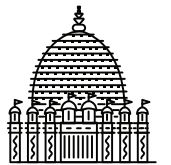
पुणे



अहमदाबाद



चंडीगढ़



गुवाहटी